युवा दिवस...

15 मई 2022

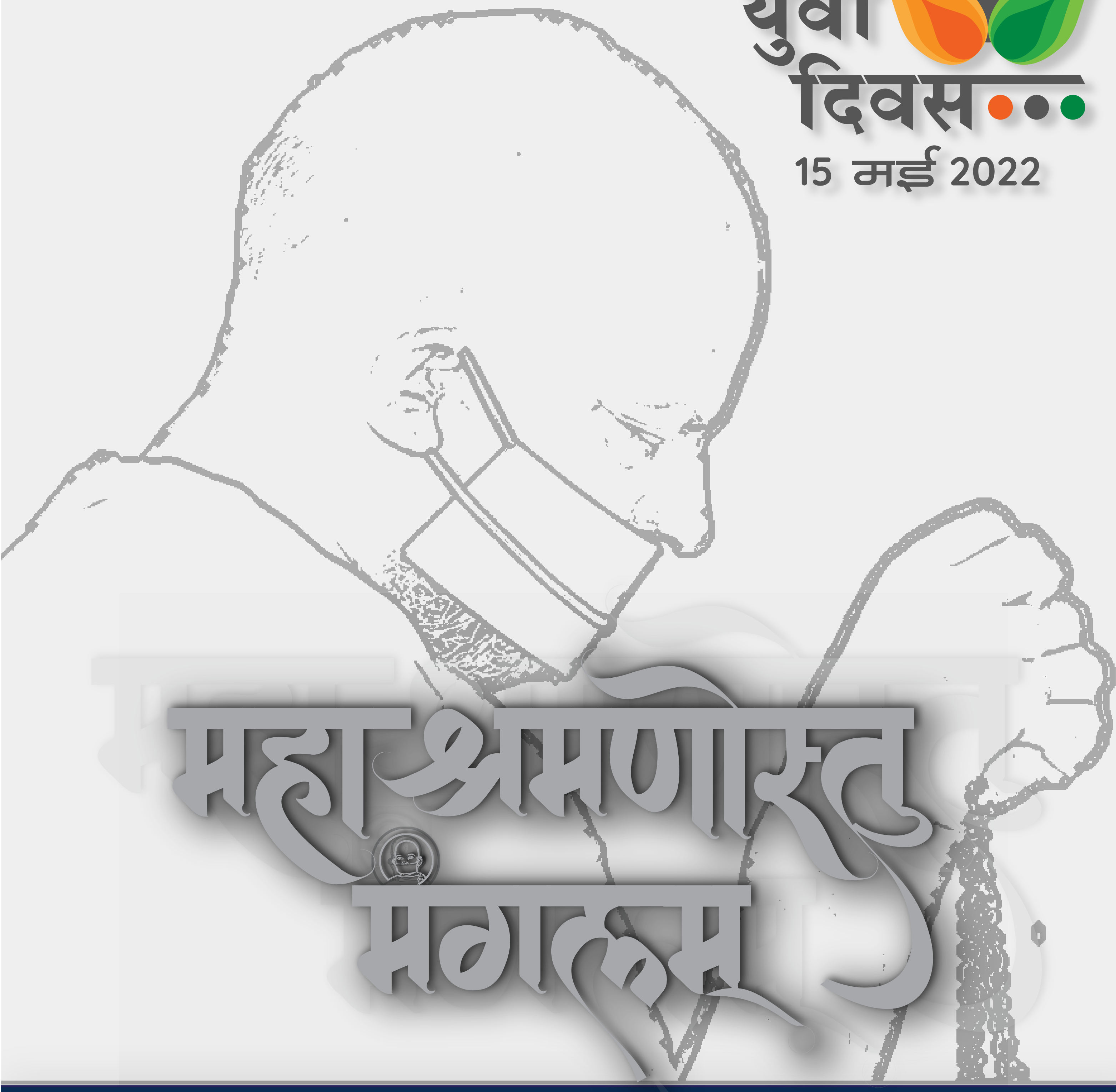

# महाश्रमणोस्तु मंगलम्

सेवा संस्कार संगठन

## अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद्

|| नूतन चिंतन नया विकास, युवकों में जागे विश्वास ||

महाश्रमणोस्तु मंगलम्

युवा दिवस

# करणीय कार्यक्रम

| | | |
|---|---|---|
| निबंध प्रतियोगिता | - | अंतिम तिथि 13 मई 2022 |
| कविता प्रतियोगिता | - | अंतिम तिथि 13 मई 2022 |
| प्रेरणा पाथेय | - | 15 मई 2022 (सुबह का कार्यक्रम) |
| भव्य भक्ति संध्या | - | 15 मई 2022 |

- दोनों ही प्रतियोगिताएं केंद्रीय स्तर पर आयोजित की जा रही है, परिषदों को अपने स्थानीय स्तर पर इनका ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार करना है। विस्तृत जानकारी आगे नियमों में लिखी गयी है।

- बैनर की डिज़ाइन केंद्र द्वारा प्रेषित की जा रही है, चारित्रात्माओं की सन्निधि में विमोचन का प्रयास करें।

- कार्यक्रम के ४ फोटो व संक्षिप्त रिपोर्ट को yuvadivas@abtyp.org पर प्रेषित करनी है।

## जय जय ज्योतिचरण
## जय जय महाश्रमण

|| नूतन चिंतन नया विकास, युवकों में जागे विश्वास ||

महाश्रमणोस्तु मंगलम्

युवा दिवस...

# निबंध प्रतियोगिता

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा "युवा-दिवस" के अवसर पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसके नियम इस प्रकार है।

- नीचे उल्लेखित विषय में से किसी एक विषय पर निबंध लिखना है :-
  - वीतराग पुरुष आचार्य महाश्रमण
  - युवा दिवस - एक महा उत्सव
  - मुनि मुदित से युगप्रधान महाश्रमण
  - कैसा हो आदर्श युवक?
  - कैसे मनाएं युवा दिवस?

- सबसे ऊपर जिस विषय पर निबंध लिखा जा रहा है, उस विषय का उल्लेख करें।

- इस प्रतियोगिता में किसी भी आयु वर्ग के श्रावक - श्राविकाएं भाग ले सकते हैं।

- हिंदी या अंग्रेजी भाषा में भेजी गई प्रविष्टियां ही मान्य होगी।

- हाथ से लिखी हुई या टाइप की हुई, दोनों तरह की प्रविष्टि मान्य होगी।

- निबंध को .word फ़ाइल में या फ़ोटो खिंचकर PDF बनाकर Mail id:- yuvadivas@abtyp.org पर या व्हाट्सएप नंबर 94259 43543 पर दिनांक 13.05.2022 को मध्यरात्रि 12 बजे के पूर्व प्रेषित करना होगा, वही प्रविष्टि मान्य होगी।

आगे भी....

संपर्क

रुपम पटवा +91 94259 43543

yuvadivas@abtyp.org

|| नूतन चिंतन नया विकास, युवकों में जागे विश्वास ||

महाश्रमणोस्तु मंगलम्

युवा दिवस...

# निबंध प्रतियोगिता

- सभी शाखा परिषदें अपने स्थानीय स्तर इस प्रतियोगिता को सकल समाज में अधिक से प्रसारित करने का लक्ष्य रखें, ज्यादा से ज्यादा श्रावक - श्राविकाएं भाग लें, इस हेतु प्रेरणा दें।

- निबंध लेखन के लिए न्यूनतम शब्द सीमा 250 शब्द व अधिकतम शब्द सीमा 400 शब्द की होगी।

- चुनिंदा प्रविष्टियों को लेखक के नामोलेख के साथ तेरापंथ टाइम्स में प्रकशित किया जाएगा।

- श्रेष्ठ तीन प्रविष्टियों को सम्मानित किया जाएगा।

- निबंध के अंत मे अपना नाम, पिन कोड सहित पूरा पता, मोबाइल नंबर और ईमेल जरूर लिखें।

- शब्द सीमा में निबंध का विषय और संभागी का परिचय सम्मिलित नही रहेगा।

- आपकी रचनाओं के प्रकाशन का अधिकार अभातेयुप के पास सुरक्षित रहेगा।

- उक्त सभी नियमों का पालन करना आवश्यक होगा और अभातेयुप निर्णायक समिति का निर्णय ही अंतिम माना जाएगा।

- नियमों में परिवर्तन-परिवर्धन का अधिकार अभातेयुप के पास सुरक्षित रहेगा।

- विजेताओं की घोषणा 22 मई 2022 तक को किया जाएगा।


संपर्क

रुपम पटवा +91 94259 43543

yuvadivas@abtyp.org


|| नूतन चिंतन नया विकास, युवकों में जागे विश्वास ||

महाश्रमणोत्सव मंगलम्

युवा दिवस

सेवा संस्कार संगठन

# कविता प्रतियोगिता

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा आगामी 15 मई को युवा दिवस के उपलक्ष्य में कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसके नियम इस प्रकार है।

- कविता का विषय आचार्य श्री महाश्रमण, उनके विचार और जीवन दर्शन पर केंद्रित होना चाहिये।

- इस प्रतियोगिता में किसी भी आयु वर्ग के श्रावक - श्राविकाएं भाग ले सकते हैं।

- केवल हिंदी, अंग्रेजी व मारवाड़ी भाषा में लिखित कविता ही मान्य होगी।

- कविता लेखन की अधिकतम सीमा 21 पंक्तियों (Lines) की होगी।

- अंतिम प्रविष्टि 13 मई को मध्य रात्रि 12:00 बजे तक स्वीकार की जाएगी।

- चुनिंदा प्रविष्टियों को लेखक के नामोलेख के साथ तेरापंथ टाइम्स में प्रकशित किया जाएगा।

- श्रेष्ठ तीन प्रविष्टियों को सम्मानित किया जाएगा।

- कविता को .word फ़ाइल में या फ़ोटो खिंचकर PDF बनाकर Mail id:- yuvadivas@abtyp.org पर या व्हाट्सएप नंबर 86902 37726 पर दिनांक 13.05.2022 को मध्यरात्रि 12 बजे के पूर्व प्रेषित करना होगा, वही प्रविष्टि मान्य होगी।

- कविता के साथ उसका शीर्षक जरूर से लिखें।

संपर्क

अमित गन्ना +91 86902 37726

yuvadivas@abtyp.org

|| नूतन चिंतन नया विकास, युवकों में जागे विश्वास ||

महाश्रमणोस्तु मंगलम्

युवा दिवस

# कविता प्रतियोगिता

- सभी शाखा परिषदें अपने स्थानीय स्तर इस प्रतियोगिता को सकल समाज में अधिक से प्रसारित करने का लक्ष्य रखें, ज्यादा से ज्यादा श्रावक - श्राविकाएं भाग लें, इस हेतु प्रेरणा दें।

- कविता के अंत मे अपना नाम, पिन कोड सहित पूरा पता, मोबाइल नंबर और ईमेल जरूर लिखें।

- आपकी रचनाओं के प्रकाशन का अधिकार अभातेयुप के पास सुरक्षित रहेगा।

- रचनाएं मौलिक व स्वरचित होनी चाहिए।

- हर प्रतिभागी को स्पष्ट रूप से सभी नियमों का पालन करना होगा और अभातेयुप निर्णायक समिति का निर्णय ही अंतिम माना जाएगा।

- विजेताओं की घोषणा 22 मई 2022 तक को किया जाएगा।

संपर्क

अमित गन्ना +91 86902 37726

yuvadivas@abtyp.org

|| नूतन चिंतन नया विकास, युवकों में जागे विश्वास ||

महाश्रमणोस्तु मंगलम्

युवा दिवस...

# प्रेरणा पाथेय

## कार्यक्रम की प्रस्तावित रुपरेखा

- नमस्कार महामंत्र
- महाश्रमण अष्टकम् का संगान
- स्वागत वक्तव्य - तेयुप अध्यक्ष
- वक्तव्य / गीत संगान - अन्य स्थानीय / केंद्रीय संस्थाओं के पदाधिकारियों द्वारा
- वीतराग पथ (लघु नाटिका) की प्रस्तुति - बच्चों के द्वारा (मोहन से मुदित की यात्रा)
    - नाटिका की कथानक (Script) अगले पृष्ठ में दी गयी है।
- विशिष्ट अतिथियों (Youth Icon) का वक्तव्य
- प्रेरणा पाथेय - विराजित चारित्रात्माओं

(चारित्रात्माओं का सान्निध्य नही है तो आप उपासको के उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित कर सकते है)

- जाप - "ॐ ह्रीं श्रीं महाश्रमण गुरवे नमः" - Recorded अथवा सामूहिक संगान
- आभार ज्ञापन (मंत्री / संयोजक)

### विशेष

- कम से कम 2 विशिष्ट व्यक्तियों (youth icons) को आप इस आयोजन में अमंत्रित करें।
- ऐसा प्रयास हो कि वो व्यक्तित्व सामाजिक, राजनैतिक, व्यावसायिक, media, खेल जगत इत्यादि से जुड़े हुए हो।
- स्थानीय परिषद् अपेक्षा अनुसार प्रस्तावित रुपरेखा में संशोधन कर सकती है।

संपर्क

अमित सेठिया:- +91 98243 00012

सूर्य प्रकाश डागा:- +91 94330 02831

yuvadivas@abtyp.org

|| नूतन चिंतन नया विकास, युवकों में जागे विश्वास ||

महाश्रमणोस्तु मंगलम्

युवा दिवस

# प्रेरणा पाथेय

## लघु नाटिका - वीतराग पथ

### मुनि सुमेरमल (मंत्री मुनि) और बालक मोहन (आचार्य महाश्रमण) संवाद

मुनि सुमेरमल जी एक पट्ट पर विराज रहे हैं। स्वाध्याय कर रहे हैं। तभी बालक मोहन का प्रवेश होता है। तीन बार प्रदक्षिणा करते हुए वह वंदना करता है और सुखसाता पूछता है।

**मोहन:** मत्थएण वंदामि ! आपके पारणे की साता है।

**मुनि :** हाँ मोहन ! साता है। कल तुमने चौविहार उपवास किया और साथ में अष्ट प्रहरी पौषध भी किया। तुम्हें कोई तकलीफ तो नहीं हुई ?

**मोहन :** नहीं मत्थएण वंदामि ! गुरूदेव की कृपा से सब अच्छे से हो गया।

**मुनि :** और अब तो पारणा भी हो गया।

**मोहन :** तहत, मत्थएण वंदामि।

**मुनि :** आज कालूगणि की छठ है। विशेष दिन है। आज के दिन क्या विशेष करने का इरादा है ?

**मोहन:** अब तो पारणा हो गया। क्या कर सकते हैं ? मुनि आज एक महत्वपूर्ण निर्णय लेना है तुम्हें

**मोहन:** कैसा निर्णय मुनिवर ?

**मुनि :** तुम्हारा वैराग्य काफी परिपक्व है। मगर तुम अभी भी दुविधा में हो। तुम्हें साधु बनना है या गृहस्थ रहना है अभी तक यह बात तुम्हारे मन में पूरी तरह स्पष्ट नहीं हुई है।

**मोहन :** बात तो सही कह रहे हैं आप।

**मुनि :** आज कालूगणि की छठ के पावन अवसर पर तुम चिंतन करो और एक निर्णय तक पहुँचो। क्या करना है तुम्हें ? साधु बनना है या गृहस्थ रहना है।

**मोहन:** क्या मैं सही निर्णय ले पाऊँगा ? मंत्री मुनि : एक काम करो। कालूगणि के नाम की एक माला फेरो और उसके बाद चिंतन शुरू करो । निश्चित ही दिशा स्पष्ट नजर आने लगेगी।

**मोहन:** तहत मत्थएण वंदामि ।

महाश्रमणोस्तु मंगलम्

युवा दिवस

सेवा संस्कार संगठन

# प्रेरणा पाथेय

## लघु नाटिका - वीतराग पथ

### मुनि सुमेरमल (मंत्री मुनि) और बालक मोहन (आचार्य महाश्रमण) संवाद

मोहन एक किनारे बैठ कर माला फेरता है और उसके बाद स्वगत चिंतन करता है।

**मोहन (स्वगत) :** मेरे सामने दो मार्ग हैं: एक साधुत्व का और दूसरा गृहस्थ का। साधु के मार्ग में सर्दी-गर्मी, भूख-प्यास, केशलुंचन, पैदल विहार करना आदि कष्ट हो सकते हैं। दूसरी ओर गृहस्थ जीवन में भी अनेक प्रकार की चिंताएं आदमी को सताती रहती हैं, जैसे व्यापार में घाटा लग जाना, संतान का अनुकूल न होना, पति-पत्नी में से किसी एक का छोटी उम्र में चले जाना, अन्य अनेक पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाना आदि। जब दोनों ओर कष्ट हैं तो मुझे कौनसा मार्ग स्वीकार करना चाहिए ? (कुछ चिंतन के बाद बिजली कौंधने की आवाज) कष्ट तो दोनों तरफ हैं। जहाँ साधु जीवन के कष्ट मुझे मोक्ष की ओर ले जाने वाले होगें, वहीं गृहस्थ जीवन के कष्ट मुझे अधोगति की ओर ले जा सकते हैं। यदि मैं जागरूकता पूर्वक संयम का पालन करूंगा तो मुझे पंद्रह भवों में मुक्ति मिल जाएगी।

(चिंतन करने के पश्चात् मोहन मुनिश्री के पास आता है।)

**मुनि:** क्या चिंतन किया ?

**मोहन :** मैने जीवन भर शादी करने का प्रत्याख्यान कर लिया।

**मुनि :** क्या कह रहे हो ? मोहन : जब दीक्षा ही लेनी है तो शादी करने का तो कोई मतलब ही नहीं है।

**मुनि:** इतनी जल्दी त्याग भी कर दिया ! कुछ और सोच लेते। मोहन : आज कालूगणि की पुण्यतिथि से अच्छा दिन और कौन सा हो सकता है। वैसे कहते भी हैं शुभ काम में कैसी ?

**मुनि:** बहुत खूब, बहुत खूब

लघु नाटिका के पात्र

मुनि - मंत्री मुनि सुमेरमल जी स्वामी

मोहन - आचार्य श्री महाश्रमण जी बाल अवस्था में

yuvadivas@abtyp.org

|| नूतन चिंतन नया विकास, युवकों में जागे विश्वास ||

महाश्रमणोस्तु मंगलम

युवा दिवस...

# भव्य भक्ति संध्या

अभातेयुप द्वारा आगामी 15 मई को युवा दिवस के उपलक्ष में
महाश्रमणोस्तु मंगलम (भव्य भक्ति संध्या) आयोज्य है...
उस हेतु परिषद के लिए दिशा निर्देश इस प्रकार है...

- देश भर में आयोजित हो रहे भव्य भक्ति संध्या में एकरूपता की दृष्टि से सभी परिषदें सायं 7:30 बजे से 10:30 बजे के मध्य आयोजित करने का प्रयास करें।

- भव्य भक्ति संध्या के प्रचार प्रसार हेतु बैनर की डिज़ाइन आपको केंद्र द्वारा भेजी जाएगी

- ख्याति प्राप्त संघीय गायक कलाकारों को आमंत्रित किया जा सकता है। भव्य भक्ति संध्या में उन्हें आमंत्रित करने हेतु आप सरगम राष्ट्रीय प्रभारी, सह प्रभारी अथवा राज्य सहयोगी (जिनके नाम व नंबर संलग्न है) से संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

- स्थानीय भजन मंडली व स्थानीय संगीत प्रतिभाओं के माध्यम से भी भक्ति संध्या का आयोजन किया जा सकता है।

- भव्य भक्ति संध्या में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी से संबंधित गीत अथवा उनके द्वारा रचित गीत के संगान का ज्यादा से ज्यादा प्रयास रहे।

- धर्मसंघ के कुछ विशेष संघीय गीतों का संकलन आपको केंद्र द्वारा उपलब्ध करवाया जायेगा, जिसका संगान हमें भव्य भक्ति संध्या में करना है।


संपर्क

सुनील चंडालिया
(प्रभारी - सरगम)
+91 98254 79233

प्रसन्न पामेचा
(सह प्रभारी - सरगम)
+91 99672 59153

yuvadivas@abtyp.org


|| नूतन चिंतन नया विकास, युवकों में जागे विश्वास ||

# महाश्रमणोत्सव मंगलम्

युवा दिवस

युवा दिवस

## राज्य सहयोगी

**अभिषेक कावडिया**
+91 94801 68100
(कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश)

**अविनाश ईंटोदिया**
+91 98213 63735
(महाराष्ट्र)

**निलेश टेबा**
+91 94288 74747
(गुजरात)

**सुनील दुग्गड**
+91 98310 38394
(असम, बिहार, उड़ीसा, मेघालय, नेपाल, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल)

**शुभम बरडिया**
+91 70141 51648
(राजस्थान)

**पुनीत भंडारी**
+91 98935 22118
(छत्तीसगढ़, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश)

**अरुण गर्ग**
+91 90681 00012
(दिल्ली, हरियाणा, पंजाब)

**पंकज डागा**
अध्यक्ष

**अभिनन्दन नाहटा**
राष्ट्रीय संयोजक
(+91 99499 16499)

**पवन मांडोत**
महामंत्री

## अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद्

|| नूतन चिंतन नया विकास, युवकों में जागे विश्वास ||